Course — BA Education Hons, part II
paper — III, Educational Psychology & Pedagogy
Topic — scope of Educational Psychology
prepared by — Dr Sangeeta Kumari

इकाई 2 : शिक्षा मनोविज्ञान के क्षेत्र
Unit 2 : scope of educational Psychology

2.1 शिक्षा मनोविज्ञान के क्षेत्र की संकल्पना Concept of Scope of Educational Psychology –

आज की शिक्षा बाल केन्द्रित हो चुकी है। अतः शिक्षा का प्रधान उद्देश्य बालक का सर्वांगीण विकास है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने हेतु जिन-जिन तत्वों या क्षेत्रों से सहायता मिलती है, उन सबसे शिक्षा-मनोविज्ञान का सम्बन्ध होना स्वाभाविक है। जीवन पर्यन्त चलनेवाली शिक्षा-प्रक्रिया की दृष्टि से देखा जाए तो शिक्षा-मनोविज्ञान अपने क्षेत्र के अन्तर्गत शैशवावस्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था तथा प्रौढावस्था को समाहित करता प्रतीत होता है। इतना ही नहीं, बल्कि शिक्षा मनोविज्ञान ने शैशवावस्था के पूर्व की स्थिति का भी अध्ययन प्रारंभ कर दिया है, जिससे जीवन में उठने वाली शैक्षिक समस्याओं के निदान में मदद मिल सके।

2.2 शिक्षा-मनोविज्ञान के क्षेत्र (scope of educational Psychology)

शिक्षा मनोविज्ञान के क्षेत्र निम्नलिखित है:–

① शिक्षा और मनोविज्ञान (Education and Psychology)

शिक्षा-विज्ञान अपने क्षेत्र के अन्तर्गत शिक्षा तथा मनोविज्ञान से सम्बद्ध अनेक बातों का अध्ययन करता है। शिक्षा किसे कहते है, शिक्षा के क्या उद्देश्य है, शिक्षा में मनोविज्ञान की क्या आवश्यकता है? इन सारी बातों का अध्ययन शिक्षा-मनोविज्ञान करता है।

Scanned with CamScanner

2) संवेगात्मक विकास (Emotional development):-
बालकों में संवेग का विकास किस प्रकार और किस स्थिति-विशेष में होता है, संवेगात्मक अस्थिरता के क्या कारण है, संवेगात्मक विकास तथा शिक्षा में क्या सम्बन्ध है, इन सारे प्रश्नों का उत्तर शिक्षा मनोविज्ञान अपने अध्ययन क्षेत्र में देता है।

3) मानसिक विकास (Mental development):-
शिक्षा मनोविज्ञान बालक की विभिन्न मानसिक योग्यताओं के विकास का अध्ययन करता है। बालक का बौद्धिक विकास कैसे होता है, बौद्धिक योग्यता को कैसे नापते हैं, शिक्षा से इसका क्या सम्बन्ध है, इन सारी बातों का अध्ययन शिक्षा मनोविज्ञान करता है।

4) शारीरिक विकास (Physical development):-
बालक के शारीरिक विकास का अध्ययन भी शिक्षा-मनोविज्ञान अपने क्षेत्र के अन्तर्गत करता है। कारण यह है कि शिक्षण तथा शारीरिक विकास की विभिन्न अवस्थाओं में गहरा संबंध होता है।

5) सीखने की प्रक्रिया (Learning process):-
बालकों के सीखने से संबंद्ध विभिन्न प्रक्रियाओं का अध्ययन शिक्षा मनोविज्ञान अपने क्षेत्र के अन्दर करता है। सीखना तथा परिपक्वता में क्या सम्बन्ध है, सीखने के कौन-कौन से सिद्धान्त हैं, सीखने के क्या नियम हैं, सीखने को कैसे सरल बनाया जा सकता है, इन सभी बातों का अध्ययन अपने क्षेत्र के अन्तर्गत करता है।

6) व्यक्तित्व समायोजन (Personality adjustment)
शिक्षा-मनोविज्ञान के क्षेत्र में व्यक्तित्व समायोजन का अध्ययन भी शामिल है। व्यक्तित्व समायोजन से क्या तात्पर्य है, किन-किन कारणों से बच्चे कुसमायोजित होते हैं, बालक के समुचित विकास में शिक्षक कहाँ तक सहायक हो सकते हैं, इन सारी बातों का अध्ययन शिक्षा-मनोविज्ञान के क्षेत्र के अन्तर्गत आते हैं।

Scanned with CamScanner

(7) निर्देशन (Guidance) :-

शिक्षा मनोविज्ञान के अन्तर्गत वैयक्तिक, शैक्षणिक तथा व्यावसायिक निर्देशनों का भी अध्ययन किया जाता है। किसी शिक्षार्थी के लिए कौन सी शिक्षा उपयुक्त होगी तथा कौन सा व्यवसाय अनुकूल होगा, इसके लिए शिक्षा मनोविज्ञान मार्गदर्शन करता है।

(8) विशिष्ट प्रकार के बालक (Special types of children)

विशिष्ट बालकों से क्या तात्पर्य है, इनकी कौन-कौन सी शैक्षणिक समस्याएँ हैं, इनकी समुचित शिक्षा की क्या व्यवस्था होगी, इन सारी बातों का अध्ययन शिक्षा मनोविज्ञान अपने क्षेत्र के अन्तर्गत करता है।

(9) सामाजिक विकास (social development) :-

शिक्षा का उद्देश्य बालकों को आदर्श नागरिक बनाना है। इसके लिए उनका सामाजीकरण आवश्यक है। अतः शिक्षा-मनोविज्ञान अपने क्षेत्र के अन्तर्गत समाजीकरण से सम्बद्ध सारे तत्वों का अध्ययन करता है।

(10) मूल्यांकन (Evaluation)

शिक्षा-मनोविज्ञान के क्षेत्र के अन्तर्गत शैक्षिक उपलब्धियों के विविध तरीकों का हम अध्ययन करते हैं और उनके गुणों तथा अवगुणों से अवगत हो पाते हैं। विशेष रूप से लेख-सम्बन्धी मापन तथा वस्तुनिष्ठ मापन के गुणों तथा अवगुणों का अध्ययन शिक्षा-मनोविज्ञान अपने क्षेत्र के भीतर करता है।

(11) शिक्षा में सांख्यिकी (Statistics in Education) :-

शिक्षा में सांख्यिकी की क्या आवश्यकता है, सांख्यिकी के कितने अंग हैं, उनसे शिक्षा जगत कहाँ तक लाभान्वित हो रहा है, इन सारी बातों का अध्ययन हम शिक्षा-मनोविज्ञान के अन्तर्गत करते हैं।

(12) मूलप्रवृत्तियाँ (Instincts) :-

बालक में विभिन्न प्रकार की मूलप्रवृत्तियाँ पायी जाती हैं। शिक्षा की दृष्टि से इनका समुचित उन्नयन करना अति आवश्यक है। अतः शिक्षा-मनोविज्ञान मूलप्रवृत्तियों के उन्नयन के विभिन्न तरीकों का वर्णन करता है और इस आधार पर शिक्षा को सफल बनाने का प्रयास करता है।

Scanned with CamScanner

(13) शिक्षक (Teachers)

शिक्षा मनोविज्ञान अपने क्षेत्र के अन्तर्गत शिक्षक का भी अध्ययन करता है। शिक्षण का अभिप्राय क्या है, निपुण शिक्षक बनने के लिए किन-किन बातों पर अमल करना आवश्यक है, इन सबका अध्ययन शिक्षा-मनोविज्ञान करता है।

2.3. अभ्यास के प्रश्न (Questions for exercise)

Q1. Describe the scope of educational Psychology.
शिक्षा मनोविज्ञान के क्षेत्र का वर्णन कीजिए।

Scanned with CamScanner